



जलियाँवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक (संशोधन) वधियक, 2019

चर्चा में क्यों?

जलियाँवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक (संशोधन) बिल [Jallianwala Bagh National Memorial (Amendment) Bill] 2019 को राज्यसभा में मंजूरी नहीं मिली। वधियक में जलियाँवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट से न्यासी के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष का नाम हटाने का प्रस्ताव है। राज्यसभा में विभिन्न दलों के बीच इस वधियक पर सहमति नहीं बन पाने के कारण इसे पारित नहीं किया जा सका।

//

वधियक के प्रमुख बंदी

- यह वधियक जलियाँवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक अधिनियम, 1951 में संशोधन का प्रस्ताव करता है।
- 1951 का अधिनियम अमृतसर (पंजाब) स्थिति जलियाँवाला बाग में 13 अप्रैल, 1919 को मारे गए और घायल हुए लोगों की स्मृति में राष्ट्रीय स्मारक के निर्माण का प्रावधान करता है।
- इसके अतिरिक्त अधिनियम के तहत राष्ट्रीय स्मारक के प्रबंधन के लिये एक ट्रस्ट भी बनाया गया है।

न्यासियों/ट्रस्टीज़ का संयोजन

- 1951 के अधिनियम के अंतर्गत स्मारक के ट्रस्टीज़ में निम्नलिखित को शामिल किया गया है:

- I. अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री
- II. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष
- III. संस्कृति मंत्री
- IV. लोकसभा में वपिक के नेता
- V. पंजाब के गवर्नर
- VI. पंजाब के मुख्यमंत्री
- VII. केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन प्रख्यात व्यक्तियों

- यह वधियक इस प्रावधान में संशोधन करता है और ट्रस्टी के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के नाम को हटाने का प्रावधान करता है ।
- इसके अतिरिक्त वधियक स्पष्ट करता है कि जब लोकसभा में वपिक्ष का कोई नेता नहीं होगा, तो लोकसभा में सबसे बड़े वपिक्षी दल के नेता को ट्रस्टी बनाया जाएगा ।
- अधनियिम में यह प्रावधान कथिा गया है कि केंद्र सरकार द्वारा नामति तीन प्रख्यात व्यक्तियों का कार्यकाल पाँच वर्ष का होगा और उन्हें दोबारा नामति कथिा जा सकता है ।
- यह वधियक इस बात का प्रावधान करता है कि केंद्र सरकार कोई कारण बताए बिना कार्यकाल समाप्त होने से पहले नामति ट्रस्टी को पद से हटा सकती है ।

स्रोत: द हद्दि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/jallianwala-bagh-national-memorial-bill>

